

## गृहस्थ (हाउसहोल्ड) वित्तीय बचत और गृहस्थ ऋण-जीडीपी अनुपात के आकलन - 2020-21 की दूसरी तिमाही\*

2020-21 की पहली तिमाही में कोविड-19 के चलते गृहस्थ वित्तीय बचत दर में आई बचत दूसरी तिमाही (ति2) में प्रति-मौसमी ढंग से घट गई। गृहस्थों की जमाराशियां और उधार जहाँ बढ़े, वहीं मुद्रा में उनकी धारिताएं और म्यूचुअल फंडों में बचत घटी। गृहस्थ उपभोग, विशेषतः इसके विवेकाधीन घटक में, वृद्धि लॉकडाउन में ढील के बाद आर्थिक गतिविधि की फिर से शुरुआत के कारण हुई हो सकती है। वित्तीय बचत में विपर्यय की पुष्टि चालू खाता शेष में पहले से कम अधिशेष से होती है। जीडीपी की तुलना में गृहस्थ ऋण अनुपात ति1:2020-21 के 35.4 प्रतिशत से तेजी से बढ़कर ति2:2020-21 में 37.1 प्रतिशत पर आ गया। प्रारंभिक संकेत बताते हैं कि उपभोग और आर्थिक गतिविधि में तेजी आने के साथ गृहस्थ वित्तीय बचत दर ति3:2020-21 में और नीचे गई होगी।

### प्रस्तावना

ति2:2020-21 के प्रारंभिक अनुमानों का संकेत है कि गृहस्थ (हाउसहोल्ड) वित्तीय बचत ति1:2020-21 की 21.0 अभूतपूर्व उँचाई को छूने के बाद महामारी-पूर्व के स्तरों के करीब सकल देशी उत्पाद (जीडीपी) के 10.4 प्रतिशत पर पहुँच गई। यह वापसी मुख्यतः बैंकों और एनबीएफसी से गृहस्थ उधारियों में

वृद्धि के साथ म्यूचुअल फंडों और मुद्रा के रूप में गृहस्थ वित्तीय आस्तियों में कमी के कारण है। फिर भी, ति2: 2020-21 के लिए गृहस्थों की वित्तीय बचत दर ति2: 2019-20में देखी गई 9.8 प्रतिशत से अधिक रही (सारणी 1)।

अर्थव्यवस्था के क्रमशः फिर से खुलने / अनलॉकिंग से गृहस्थ 'केवल आवश्यक' व्यय से विवेकाधीन व्यय की ओर मुड़े जिससे ति1: 2020-21 में प्राप्त शिखर से गृहस्थ व्यय की वापसी हुई। लॉकडाउन प्रतिबंधों की कड़ाई में क्रमिक कमी – ऑक्सफोर्ड कोविड-19 सरकारी कड़ाई सूचकांक (गवर्नमेंट स्ट्रिक्टनेस इंडेक्स) के ति1: 2020-21 85.6 से ति2: 2020-21 में घटकर 78.5 होने में भी प्रतिबिंबित – उपभोग के कुछ घटक विशेषतः विवेकाधीन, एक तिमाही की सुषुप्ति के बाद बढ़े जिससे गृहस्थों की वित्तीय बचत में कमी आई। गृहस्थ वित्तीय बचत में प्रवृत्ति विपर्यय की पुष्टि अंतिम खपत व्यय के संकुचन में कमी के साथ-साथ ति2:2020-21 में चालू खाते में पहले से कम अधिशेष से भी होती है। इसके अलावा, निजी खपत में वृद्धि दूसरी तिमाही के लिए विभिन्न उच्च आवृत्ति संकेतकों में दिखती है। उदाहरण के लिए, टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन, जिसने ति1:2020-21 की पहली तिमाही में 67.6 प्रतिशत का संकुचन दर्ज किया, सितंबर 2020 में 5.3 प्रतिशत की धनात्मक वृद्धि के साथ दूसरी तिमाही के अंत में धनात्मक क्षेत्र में चला गया। गैर-टिकाऊ वस्तुओं का उत्पादन भी ति 2: 2020-21 में 0.4 प्रतिशत की धनात्मक वृद्धि पर मजबूत हुआ, जबकि ति1 में 16.9 प्रतिशत की अ-वृद्धि आई थी। 2020-21

### सारणी 1: गृहस्थ (हाउसहोल्ड) वित्तीय बचत

(₹ लाख करोड़)

	2018-19					2019-20					2020-21	
	ति1	ति2	ति3	ति4	वार्षिक	ति1	ति2	ति3	ति4	वार्षिक	ति1	ति2
निवल वित्तीय आस्तियां (ए-बी)	2.57 (5.6)	2.23 (4.8)	2.08 (4.3)	6.68 (13.9)	13.56 (7.2)	2.02 (4.0)	4.85 (9.8)	4.20 (8.1)	5.14 (9.8)	16.20 (8.0)	8.16 (21.0)	4.92 (10.4)
ए. वित्तीय आस्तियों का प्रवाह	3.49 (7.6)	4.77 (10.3)	3.46 (7.1)	9.62 (20.0)	21.34 (11.3)	3.83 (7.7)	5.65 (11.4)	5.51 (10.6)	7.86 (15.1)	22.85 (11.2)	7.38 (19.0)	7.47 (15.8)
बी. वित्तीय देयताओं का प्रवाह	0.91 (2.0)	2.55 (5.5)	1.38 (2.8)	2.94 (6.1)	7.78 (4.1)	1.81 (3.6)	0.80 (1.6)	1.31 (2.5)	2.72 (5.2)	6.64 (3.3)	-0.78 (-2.0)	2.55 (5.4)

टिप्पणी: कोष्ठक में दिए गए आंकड़े जीडीपी के प्रतिशत के रूप में हैं।

स्रोत: लेखकों द्वारा गणना

\* यह आलेख राष्ट्रीय लेखा विश्लेषण प्रभाग, आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक के संजय कुमार हांसदा, अनुपम प्रकाश, आनंद प्रकाश एक्का और इशु ठाकुर द्वारा तैयार किया गया है। ड्राफ्ट पर अंतर्दृष्टि से परिपूर्ण विचार-विमर्श के लिए लेखकगण डॉ. मृदुल कुमार सागर के आभारी हैं। ति1: 2020-21 से संबंधित पिछला आलेख आरबीआई बुलेटिन के नवंबर अंक में प्रकाशित हुआ। आलेख में व्यक्त विचार लेखकों के हैं और वे भारतीय रिजर्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते।

की पहली तिमाही में क्रमशः 35.9 प्रतिशत और 33.3 प्रतिशत के संकुचन के बाद मोटर स्परिट और हाई-स्पीड डीजल की खपत, अगली तिमाही में सुधरी जो क्रमशः 5.0 प्रतिशत और 15.6 प्रतिशत के कम संकुचन में परिलक्षित हुई। नतीजतन, जीडीपी के तिमाही आकलन के अनुसार निजी अंतिम खपत में संकुचन की गति ति1: 2020-21 में 26.3 प्रतिशत के तेज संकुचन से नरम पड़कर ति2: 2020-21 में 11.3 प्रतिशत तक कम हो गई। हालांकि, गृहस्थ वित्तीय बचत में दूसरी तिमाही में नरमी, प्रति-मौसमी थी जिसने उच्च आधार के प्रभाव को क्रमिक रूप से और लॉकडाउन प्रतिबंधों में ढील के बाद अवरुद्ध मांग में उछाल के साथ गृहस्थों के विवेकाधीन व्यय में वृद्धि को दर्शाया।

ति1: 2020-21 में 21.0 प्रतिशत की गृहस्थ वित्तीय बचत दर के साथ जहाँ 24.4 प्रतिशत का वास्तविक जीडीपी संकुचन देखा गया, वहीं जीडीपी संकुचन में ति2 में 7.3 प्रतिशत की कमी गृहस्थ वित्तीय बचत दर के घटकर 10.4 प्रतिशत होने के साथ घटित हुई। घरेलू वित्तीय बचत दर और सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि के बीच उलटा संबंध अस्वाभाविक लग सकता है, लेकिन अध्ययनों से पता चला है कि आर्थिक मंदी और आय को लेकर अधिक अनिश्चितता के दौरान परिवार अधिक बचत करते हैं [लेवनॉन और फ्रेंको, 2011<sup>1</sup>; मोदी व अन्य, 2012]। इसी तरह की प्रवृत्ति वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान देखी गई थी जब 2008-09 के दौरान गृहस्थ वित्तीय बचत दर में सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में 170 आधार अंकों की वृद्धि हुई थी, जो बाद में अर्थव्यवस्था में सुधार आने पर कम हुई।

शेष आलेख को चार खंडों में विभाजित किया गया है। खंड II भारत में वित्तीय बचत की तुलना में गृहस्थ बचत की देशों की (क्रॉस-कंट्री) प्रवृत्ति को प्रस्तुत करता है। खंड III पिछली तिमाही में गृहस्थ वित्तीय आस्तियों और देयताओं की संरचना में भिन्नता दर्शाता है जिसमें गृहस्थ ऋण-जीडीपी अनुपात पर कुछ विचार शामिल हैं। खंड IV में व्यक्ति-आधार (माइक्रो-फाउंडेशन) स्तर पर गृहस्थों की बैलेंस शीट की आस्तियों और देयताओं दोनों में क्षेत्र और लिखत-वार प्रमुख उतार-चढ़ाव को समाहित किया गया है।

<sup>1</sup> लेखकों ने कहा कि 2005-07 के दौरान यू.एस. गृहस्थ बचत दर 1-2 प्रतिशत के ऐतिहासिक निचले स्तर पर थी, लेकिन वैश्विक वित्तीय संकट के बाद एक वर्ष के भीतर लगभग छह प्रतिशत तक बढ़ गई।

खंड V ति3:2020-21 में वित्तीय बचत पर परिदृश्य प्रस्तुत करता है। चुनिंदा आस्तियों और देयताओं के बकाया सहित गृहस्थ वित्तीय आस्तियों और देयताओं के लिखत-वार प्रवाह, अनुबंध I, II और III में दिए गए हैं।

## II. गृहस्थ बचत में देशों की प्रवृत्ति

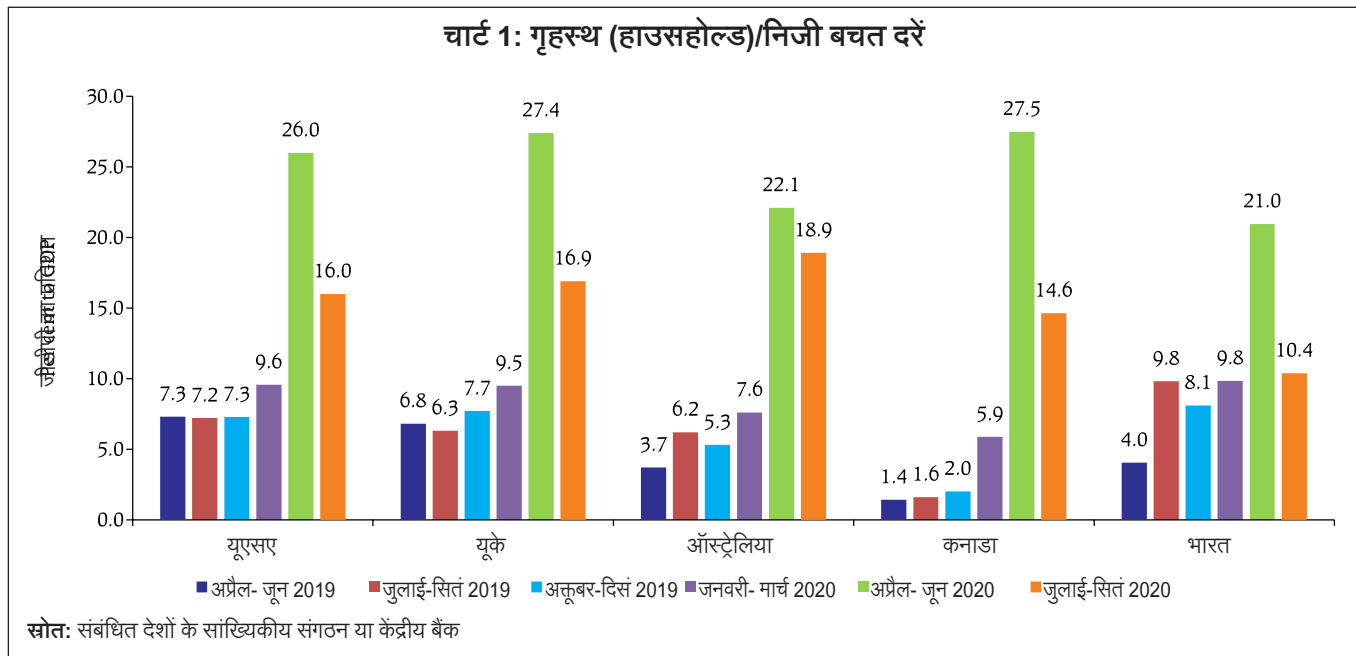
वैश्विक स्तर पर, खर्च की मात्रा और संरचना में सपष्ट परिवर्तन देखा गया क्योंकि महामारी-जनित गतिशीलता प्रतिबंधों के परिणामस्वरूप 2020-21 की पहली तिमाही (चार्ट 1) के दौरान विवशता और एहतियात में बचत हुई। आर्थिक गतिविधि में सचेत बेहतरी के साथ, अवरुद्ध मांग के मुक्त होने पर सेवाओं की तुलना में वस्तुओं की अधिक मांग के कारण ति2: 2020-21 में विवशता/एहतियात की बचत जमा करने की प्रवृत्ति कम हो गई। कई उन्नत अर्थव्यवस्थाओं को समुत्थान (रिकवरी) की अपनी यात्रा में वायरस की दूसरी लहर और अधिक उग्र रूपों के भय-जनित बाधाओं का सामना करना पड़ा और उनकी गृहस्थ/ व्यक्तिगत बचत जुलाई-सितंबर तिमाही में पूर्व-महामारी के स्तर से कहीं अधिक रही। यूएस<sup>2</sup>, यूके<sup>3</sup>, आस्ट्रेलिया<sup>4</sup> और कनाडा<sup>5</sup> में गृहस्थ/ व्यक्तिगत बचत दर, जो अप्रैल-जून 2020 में 20 प्रतिशत से अधिक हो गई, अगली तिमाही में उल्लेखनीय रूप से संशोधित हुई, लेकिन महामारी-पूर्व-स्तरो की तुलना में बहुत ऊँची दर पर कायम रही। इसके विपरीत, भारतीय गृहस्थों की वित्तीय बचत महामारी-पूर्व-स्तरो के करीब लौट आई। यह देखना भी दिलचस्प है कि ऑस्ट्रेलिया और भारत में घरेलू/ व्यक्तिगत बचत में महामारी पूर्व मौसमी पैटर्न काफी समान हैं। महामारी-पूर्व चरण में गृहस्थ / व्यक्तिगत बचत दर के बहुत निम्न स्तर को देखें तो कनाडा में, अप्रैल-जून तिमाही में उछाल तीव्रतम में से एक था।

<sup>2</sup> ब्यूरो ऑफ़ इकॉनॉमिक एनालिसिस, यूएस (<https://www.bea.gov/news/2020/gross-domestic-product-third-estimate-corporate-profits-revised-and-gdp-industry-third>)

<sup>3</sup> ऑफिस ऑफ़ द नेशनल स्टैटिस्टिक्स, यूके (<https://www.ons.gov.uk/economy/grossdomesticproductgdp/timeseries/dgd8/ukea>)

<sup>4</sup> ऑस्ट्रेलियन ब्यूरो ऑफ़ स्टैटिस्टिक्स (<https://www.abs.gov.au/statistics/economy/national-accounts/australian-national-accounts-national-income-expenditure-and-product/sep-2020>)

<sup>5</sup> स्टैटिस्टिक्स कनाडा (<https://www150.statcan.gc.ca/t1/tbl1/en/tv.action?pid=3610011201>)



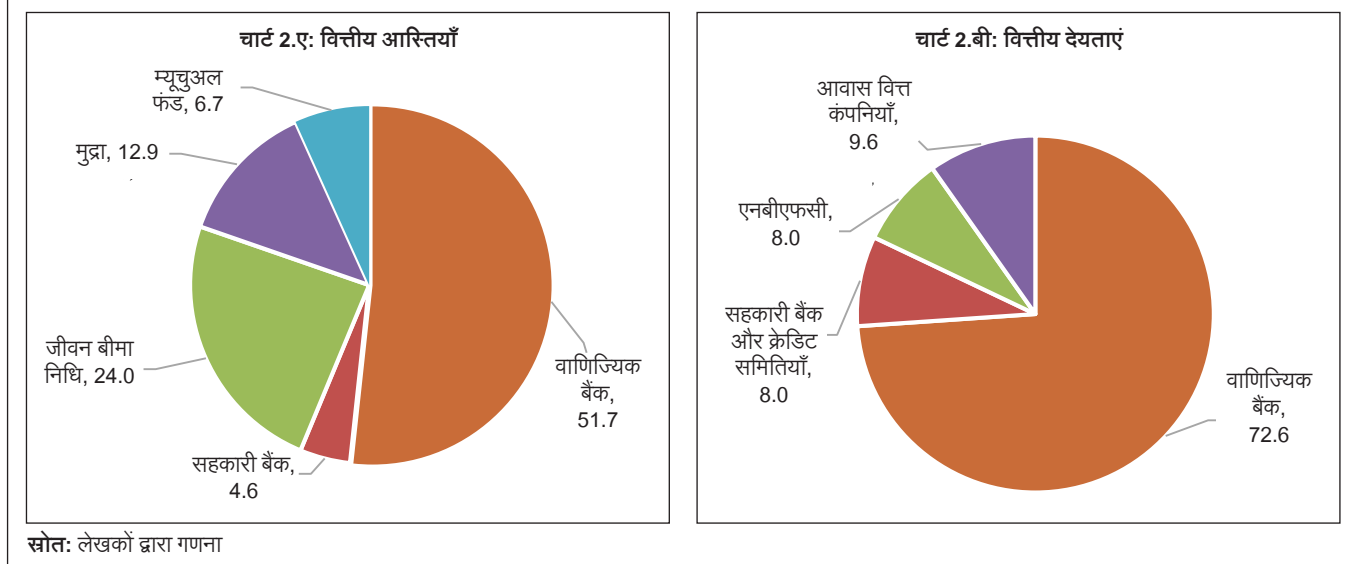
भारत संभवतः आने वाले त्योहारी मौसम की मांग के साथ अवरुद्ध मांग के मुक्त होने के कारण खर्च बढ़ाने में अपेक्षाकृत तेज प्रतीत हुआ, और इस प्रकार ति2: 2020-21 में गृहस्थ वित्तीय बचत के पूर्व-महामारी के स्तर के निकटतर पहुँच गया। यद्यपि महामारी के दौरान कुल बचत में वृद्धि हुई है, पर, संभव है कि इससे गृहस्थ बचत और गैर-आवश्यक वस्तुओं के उपभोग व्यय के मामले में असमान प्रभाव का पता न चले क्योंकि असंगठित क्षेत्र में कई गृहस्थों ने रोजगार, आय और उधार के अवसरों के नुकसान को झेला। आगे, बड़े पैमाने पर टीकाकरण में प्रगति की आशा के साथ, भारत के साथ-साथ अन्य देशों में गृहस्थ वित्तीय बचत के घटकर महामारी-पूर्व के स्तरों तक आने की उम्मीद है।

### III. गृहस्थ वित्तीय संविभाग की संरचना और ऋण-जीडीपी अनुपात

विगत तिमाहियों में, गृहस्थ वित्तीय संविभाग (पोर्टफोलियो) में विभिन्न लिखतों की हिस्सेदारी स्थिर रही है, जिसमें आस्तियों और देयताओं दोनों पक्षों पर बैंकिंग क्षेत्र हावी है। बैंकिंग क्षेत्र के अलावा, गृहस्थों के पास मुद्रा के साथ-साथ जीवन बीमा और

म्यूचुअल फंड दो अन्य प्रमुख साधन हैं, जबकि गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) और आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी) से उधार उनकी देयताओं के अन्य प्रमुख हिस्से हैं। कॉर्पोरेट क्षेत्र और सामान्य (जेनरल) सरकार से गृहस्थों का उधार नगण्य बना हुआ है (चार्ट 2)।

यद्यपि, गृहस्थ संविभाग (पोर्टफोलियो) के आस्ति पक्ष में विभिन्न लिखतों (इन्सट्रुमेंट्स) का हिस्सा ति1: 2018-19 से ति2: 2020-21 के दौरान मोटे तौर पर अपरिवर्तित रहा है, मुद्रा धारिता (होलिडिंग) का हिस्सा, जो अत्यधिक अनिश्चितता में नकदी की ओर पलायन को दर्शाते हुए ति1: 2020-21 के दौरान बढ़ा, दूसरी तिमाही में आर्थिक गतिविधियों को फिर से शुरू करने के साथ अपने महामारी-पूर्व के स्तर पर वापस आ गया है। देयताओं की ओर देखें तो, बैंकिंग और एचएफसी क्षेत्र से गृहस्थ देयताओं का हिस्सा कम हो गया है, जबकि ति1: 2020-21 व उसके बाद से एनबीएफसी की बढ़ गई है। आर्थिक संकट और आय प्रवाह की भावी धारा को लेकर नैराश्य के समय में एनबीएफसी की ओर झुकाव जोखिम विमुखता के बढ़ने और एनबीएफसी की तुलना में बैंक ऋणों के लिए सख्त पात्रता मानदंडों के कारण हो सकता है।

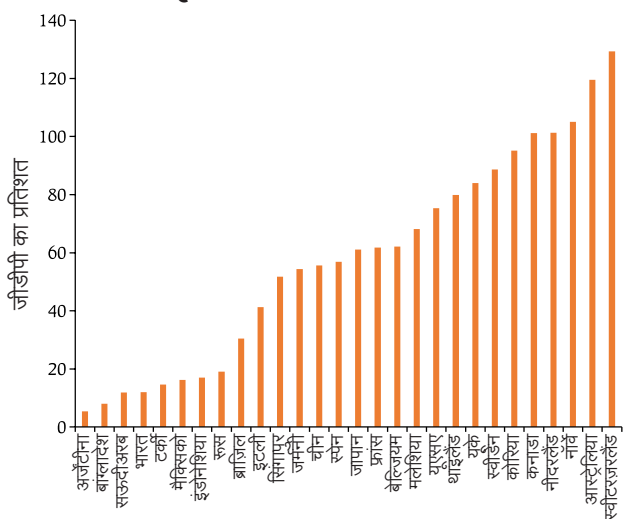
**चार्ट 2: हाउसहोल्ड वित्तीय आस्तियों और देयताओं का संघटन- बकाया**  
(सितंबर 2020 की स्थिति)

जीडीपी की तुलना में गृहस्थ ऋण<sup>6</sup> का अनुपात, जो 2018-19 की पहली तिमाही से लगातार बढ़ रहा है, 2020-21 की पहली तिमाही में 35.4 से तेजी से बढ़कर 2020-21 की दूसरी तिमाही में 37.1 प्रतिशत हो गया। हालांकि, यहाँ प्रस्तुत भारत के गृहस्थ ऋण के आंकड़े, गैर-संस्थागत क्षेत्र के प्रति उनकी ऋणग्रस्तता को नहीं दर्शाते हैं।

वैश्विक वित्तीय संकट के बाद से घरेलू ऋण के स्तर और प्रवृत्ति (जीडीपी के अनुपात के रूप में) पर आधारित अंतरराष्ट्रीय निपटान बैंक (बीआईएस) के एक अध्ययन ने देशों को चार श्रेणियों में रखा है: i) उच्च और बढ़ती, ii) उच्च और सपाट / गिरती, iii) निम्न और उठती हुई, iv) नीची और सपाट/गिरती (ज़बाई, 2017)। अध्ययन के अनुसार, यूरो क्षेत्र, जापान, जर्मनी, इटली और मैक्सिको के साथ भारत ऐसे देशों के चौथे समूह में है। हाल ही में, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के 2019 के तुलनीय आंकड़े भी यह दर्शाते हैं कि जीडीपी की तुलना में गृहस्थ ऋण के अनुपात के संदर्भ में, जिसमें कर्ज (लोन्स) और ऋण प्रतिभूतियाँ (डेट सिक्क्यूरिटीज़) शामिल हैं, भारत निचले समूह (बॉटम ग्रुप) में स्थित है (चार्ट 3)।

भारत में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) के पास कुल बैंक जमा राशियों में लगातार वृद्धि हुई और सितंबर 2020

के अंत में ₹142.6 लाख करोड़ तक पहुँच गई - जून 2020 के अंत से ₹4.0 लाख करोड़ की वृद्धि। इसके विपरीत, बैंक अग्रिम जून 2020 में 1.2 प्रतिशत के संकुचन के मुकाबले तिमाही-दर-तिमाही आधार पर 0.2 प्रतिशत की वृद्धि प्रदर्शित करते हुए सितंबर के अंत में ₹102.7 लाख करोड़ पर आ गए, जो आर्थिक गतिविधियों में कुछ बढ़ोतरी को दर्शाती है। 2020 की जुलाई-

**चार्ट 3: गृहस्थ (हाउसहोल्ड) ऋण – 2019**

नोट: गृहस्थ ऋण में ऋण और ऋण प्रतिभूतियाँ शामिल हैं।

स्रोत: वैश्विक ऋण (ग्लोबल डेट) डेटाबेस, आईएमएफ।<sup>7</sup>

<sup>6</sup> बैंकों, एचएफसी और एनबीएफसी के प्रति गृहस्थों की बकाया देयताओं के रूप में आकलित। डेटा के अभाव में गैर-संस्थागत क्षेत्र के प्रति देयताओं को दर्शाया नहीं जाता है। घरेलू ऋण का आकलन दशकीय अखिल भारतीय ऋण और निवेश सर्वेक्षण (एआईडीआईएस) से भी उपलब्ध है, लेकिन काफी अंतराल पर इनकी जानकारी हो पाती है।

<sup>7</sup> ग्लोबल डेटाबेस, आईएमएफ, [https://www.imf.org/external/datamapper/HH\\_LS@GDD/SWEas](https://www.imf.org/external/datamapper/HH_LS@GDD/SWEas). Accessed 17 मार्च 2021।

सितंबर तिमाही के दौरान गृहस्थों को दिए गए ऋण और उनसे जुटाई गई जमाराशियों के बीच घटे हुए अंतर का गृहस्थों की निवल वित्तीय बचत में कमी लाने में हाथ रहा।

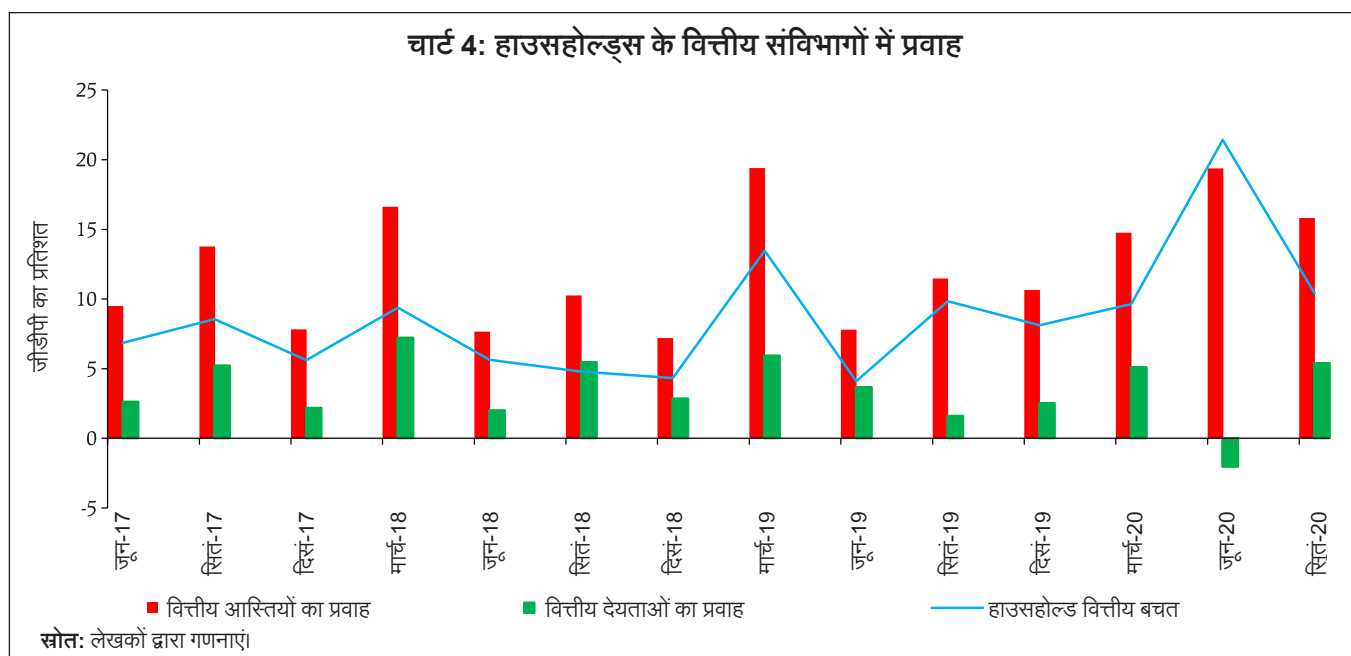
#### IV. घरेलू वित्तीय बचत: क्षेत्र और लिखत

माइक्रो-फाउंडेशन की तलाश में, 2020-21 की दूसरी तिमाही में गृहस्थ आस्ति/देयता प्रवाह के भिन्न व्यवहार की जांच सेक्टरों और उपकरणों (लिखतों/इन्सट्रुमेंट्स) के संदर्भ में निम्नानुसार की जाती है (चार्ट 4)।

- गृहस्थ वित्तीय बचत में कमी उनकी वित्तीय आस्तियों में वृद्धि के बावजूद हुई है, क्योंकि वित्तीय देयताओं का प्रवाह 2020-21 की दूसरी तिमाही में धनात्मक क्षेत्र में वापस आ गया है। गृहस्थ वित्तीय आस्तियों का प्रवाह बैंकों में उनकी जमाराशियों के कारण बढ़ा है, बावजूद इसके कि मुद्रा और म्यूचुअल फंड में उनकी धारिताओं में महत्वपूर्ण गिरावट आई है (अनुबंध I)।
- गृहस्थ वित्तीय आस्तियों का प्रवाह, हालांकि, जीडीपी के प्रतिशत के रूप में, 2020-21 की पहली तिमाही में 19.0 प्रतिशत से कम होकर 2020-21 की दूसरी तिमाही में 15.8 प्रतिशत हो गया है। परिवारों की मुद्रा

धारिता ति1: 2020-21 में 5.3 प्रतिशत से घटकर ति2: 2020-21 में जीडीपी का 0.4 प्रतिशत हो गई है। म्यूचुअल फंड उत्पादों में गृहस्थ निवेश इसी अवधि में 1.7 प्रतिशत से घटकर 0.3 प्रतिशत रह जाने का अनुमान है। इसी तरह, बीमा उत्पादों के रूप में बचत पिछली तिमाही के 3.2 प्रतिशत से घटकर 3.0 प्रतिशत रह गई (चार्ट 5ए और अनुबंध I)।

- वैश्विक वित्तीय संकट के बाद की स्थिति में और विभिन्न विवेकपूर्ण नियामक उपायों के चलते भारत की बैंकिंग प्रणाली ने महामारी का सामना अपेक्षाकृत मजबूत पूँजी और तरलता/चलनिधि बफर के साथ किया (आरबीआई, 2020; आरबीआई, 2021) और 2020-21 की दूसरी तिमाही के दौरान बैंकों के पास जमाराशियों के रूप में गृहस्थ वित्तीय बचत में वृद्धि हुई, जो उनकी सुरक्षित आश्रय स्थिति की बहाली को दर्शाती है। विनियामकीय राहतों और रियायतों के कारण बैंकों के प्रदर्शन और स्थिरता में सुधार हुआ। हालांकि, इस अवधि के दौरान गैर-बैंकों में गृहस्थ जमाराशियों में गिरावट आई।

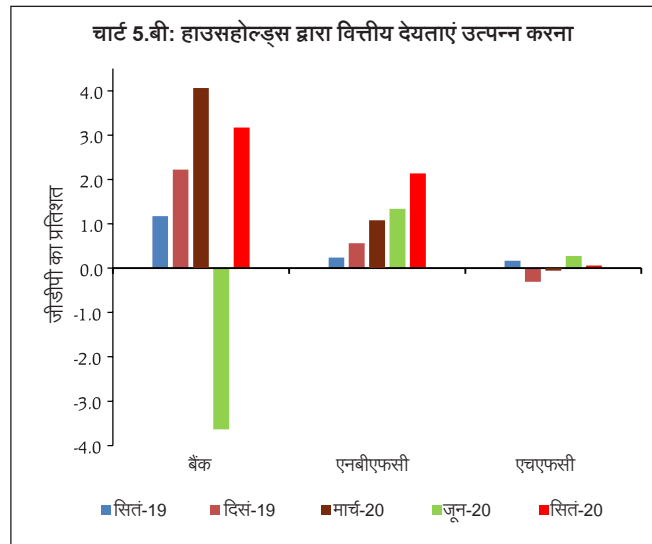
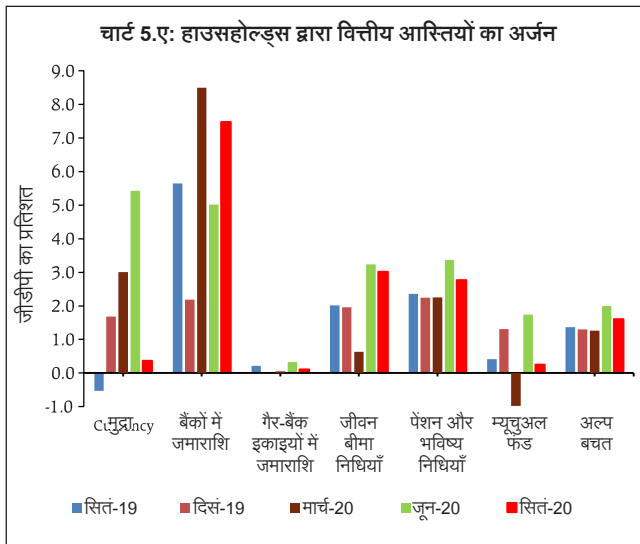


- गृहस्थों की नकदी धारिता दर में कमी मुख्य रूप से अर्थव्यवस्था के खुलने और आर्थिक गतिविधियों को फिर से शुरू करने को लेकर कम अनिश्चितता के कारण आई। महामारी के मद्देनजर लेनदेन के लिए डिजिटल मोड का अधिक उपयोग भी इस प्रक्रिया में सहायक हुआ (आरबीआई, 2021)।
- अभिवृद्धि (एक्रीशन) में कमी के बावजूद, गृहस्थों द्वारा बीमा निधियों की अभिदान दर (सब्सक्रिप्शन रेट) उच्च बनी रही, जो कि ति2:2020-21 में महामारी के कारण परिवारों के बीच जीवन बीमा के प्रति बढ़ी जागरूकता को दर्शाती है। इस प्रकार, बीमा पॉलिसियां जो टैक्स-बचत के एक साधन के रूप में खरीदी जाती थीं, स्वास्थ्य की आपात स्थिति के इस दौर में, घरों की जीवन शैली का हिस्सा बन गई हैं।
- भारत सरकार द्वारा पेंशन छत्र (नेट) के तहत असंगठित क्षेत्र और निम्न-आय वर्ग के कवरेज को बढ़ाने के प्रयासों में तेजी के कारण, कुछ कमी के बावजूद ति2: 2020-21 में पेंशन और भविष्य निधि की सदस्यता दर भी ऊँची बनी रही। नेशनल पेंशन

सिस्टम (एनपीएस) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) में नामांकन (एनरोलमेंट) और प्रबंधाधीन आस्तियां (एयूएम) भी सितंबर 2020 के अंत (आरबीआई, 2021) में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर बढ़ी हैं।

- तथापि ति2: 2020-21 में म्यूचुअल फंडों में गृहस्थ बचत घट गई, क्योंकि शेयर बाजारों में तेज सुधार के कारण, म्यूचुअल फंड के बजाय, लोगों ने संभवतः इक्विटी में प्रत्यक्ष निवेश किया, जैसा कि अप्रैल-जून तिमाही में खोले गए 23 नए लाख डीमैट खातों के मुकाबले सितंबर को समाप्त तिमाही में खोले गए 34 लाख में परिलक्षित होता है। म्यूचुअल फंड पर हाल ही में एक विनियामकीय कदम<sup>8</sup> ने भी कथित तौर पर मल्टी-कैप म्यूचुअल फंड पर मोचन/शोधन (रिडेम्पशन) दबाव में योगदान दिया।
- पिछली तिमाही की तुलना में ति2: 2020-21 के दौरान शेयरों में गृहस्थ निवेश में गिरावट आई क्योंकि ति1: 2020-21 में ₹ 53,125 करोड़ का एक मेगा राइट्स इश्यू था।

चार्ट 5: हाउसहोल्ड वित्तीय आस्तियों और देयताओं का प्रवाह- बकाया की स्थिति



स्रोत: लेखकों द्वारा गणनाएं।

<sup>8</sup> सितंबर 2020 में, मल्टी-कैप फंड, जिनके पोर्टफोलियो में लार्ज-कैप शेयरों का वर्चस्व है, को जनवरी 2021 से लार्ज, मिड और स्मॉल कैप शेयरों में से प्रत्येक में न्यूनतम 25% निवेश करने का निर्देश दिया गया था।

- बैंकों और एनबीएफसी से ऋण के कारण गृहस्थों की वित्तीय देयताओं में प्रवाह के धनात्मक क्षेत्र में प्रवेश करने का आकलन है। यह वृद्धि 2020-21 की दूसरी तिमाही में आर्थिक गतिविधियों में अच्छी वापसी, जो प्रत्याशा से अधिक तेज है और साथ ही राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन को धीरे-धीरे हटाए जाने के बाद सकारात्मक परिदृश्य (चार्ट 5 बी) का भी प्रतिबिंब है (चार्ट 5बी)।
- अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) के व्यक्तिगत ऋणों, वाहन ऋण, टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुएं (कंज्यूमर ड्यूरेबल्स) और क्रेडिट कार्ड के व्यक्तिगत ऋणों में ऋण प्रवाह ने पिछली तिमाही में संकुचन के मुकाबले 2020-21 की दूसरी तिमाही में धनात्मक वृद्धि दर्ज करते हुए स्थिति बेहतर कर दी। आवास के लिए ऋण वृद्धि ति1 में 0.4 प्रतिशत से बढ़कर ति2: 2020-21 में 1.3 प्रतिशत हो गई।
- कुल बैंक ऋण में धीमी वृद्धि के साथ गृहस्थ ऋणों में महत्वपूर्ण वृद्धि तथा हुई तथा पिछली तिमाही की तुलना में 2020-21 की दूसरी तिमाही में कुल ऋण में अपनी हिस्सेदारी में 1.3 प्रतिशत अंक की वृद्धि करते हुए गृहस्थ ऋण 51.5 प्रतिशत तक पहुँचा।

बैंकिंग क्षेत्र की राह पर, एनबीएफसी से गृहस्थों को ऋण प्रवाह में ति2: 2020-21 में वृद्धि देखी गई, जबकि ति2 में उनकी समग्र ऋण वृद्धि ति1 की तुलना में कम रही।

## V. आगे की राह

अर्थव्यवस्था के धीरे-धीरे खुलने/अनलॉक होने के साथ, गृहस्थ 'केवल आवश्यक' वाले दृष्टिकोण से विवेकाधीन खर्च की ओर मुड़े हैं, जो कि ति1: 2020-21 में 26.3 प्रतिशत की तुलना में 11.3 प्रतिशत के संकुचन की घटी रफ्तार में भी दिखता है जिससे गृहस्थ वित्तीय बचत में पिछली तिमाही के शिखर से कमी आई। अधिक उग्र रूपों सहित वायरस की दूसरी लहर का सामना कर रहे कई यूरोपीय देशों के विपरीत भारतीय संदर्भ में उलटफेर/विपर्यय तेज रहा है। वस्तुओं और कुछ हद तक

सेवाओं के लिए अवरुद्ध मांग के मुक्त होने से भी भारत की गृहस्थ वित्तीय बचत में विपर्यय (रिवर्सल) तेज हो गया।

कोविड-19 महामारी ने विश्व भर में बीमा क्षेत्र को प्रभावित किया है। बढ़ते दावों के मद्देनजर, अंतरराष्ट्रीय बीमा पर्यवेक्षक संघ (इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ इंश्योरेंस सुपरवाइजर्स / आईएआईएस) ने एक बयान में संरक्षण की उन सीमाओं पर प्रकाश डाला, जिसकी बीमा क्षेत्र द्वारा स्वयं प्रदान करने की उम्मीद की जा सकती है। महामारी से उत्पन्न होने वाले विविध जोखिमों के मद्देनजर, भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने "महामारी जोखिम पूल" ("पैंडेमिक रिस्क पूल") के तंत्र के माध्यम से इन जोखिमों को दूर करने की संभावना का पता लगाने के लिए एक कार्य समूह का गठन किया (आरबीआई, 2021)। भविष्य में, बीमा निधियों के बारे में बढ़ती जागरूकता इन उत्पादों के प्रति अधिक गृहस्थों को आकर्षित कर सकती है। बैंक जमाराशियों पर कम रिटर्न, और प्रतिस्पर्धी माध्यमों, विशेषतः बीमा और म्यूचुअल फंडों के बारे में बढ़ती जागरूकता के मद्देनजर, गृहस्थ वित्तीय आस्तियों के विविधीकरण की महामारी-पूर्व प्रवृत्ति को और बल मिल सकता है।

बैंकों व एनबीएफसी से गृहस्थ उधारी बढ़ी है और जमाराशियों के रूप में बचत में वृद्धि के बावजूद गृहस्थ वित्तीय बचत में कमी आई है। 22 जनवरी 2021 को, रिजर्व बैंक ने एनबीएफसी के लिए चार स्तरीय संरचना के आधार पर एक संशोधित विनियामकीय ढांचा प्रस्तावित किया, जो बड़े एनबीएफसी को बैंकों की तरह विनियमित करने की अनुमति देगा। लागू होने पर, यह बैंकों और गैर-बैंकों के बीच गृहस्थ संविभाग (पोर्टफोलियो) के वितरण को प्रभावित कर सकता है। मुद्रा और म्यूचुअल फंड के रूप में गृहस्थ बचत में उल्लेखनीय गिरावट ने भी गृहस्थ वित्तीय बचत में कमी लाने में योगदान दिया है। ति2:2020-21 में अभिवृद्धि में नरमी के बावजूद बीमा निधियों के रूप में बचत ऊँची बनी हुई है।

आगे, उम्मीद है कि बड़े पैमाने पर टीकाकरण में प्रगति की आशा उपभोग मांग को और बढ़ावा देगी तथा महामारी-पूर्व व्यय व बचत के पैटर्न की बहाली की दिशा में कार्य करेगी। नवंबर

2020 के दौर के रिज़र्व बैंक के उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण ने सितंबर 2020 के दौर में दर्ज किए गए सर्वकालिक निम्न स्तर से मामूली सुधार दिखाया, जो आगे चलकर गृहस्थ वित्तीय बचत में और कमी की गुंजाइश दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, दिसंबर के अंत में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के अग्रिमों ने पिछली तिमाही में 0.2 प्रतिशत की धीमी वृद्धि से तिमाही-दर-तिमाही आधार पर 2.7 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि प्रदर्शित की, जबकि जमाराशियों में इसी अवधि के 2.9 प्रतिशत की तुलना में 1.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह ति3: 2020-21 के दौरान घरेलू वित्तीय बचत दर में और कमी का लक्षण हो सकता है, हालांकि म्यूचुअल फंड की इकाइयों के साथ-साथ शेयरों और डिबेंचरों में निवेश के माध्यम से गृहस्थों द्वारा पोर्टफोलियो पुनर्संतुलन के जरिये उत्साही शेयर बाजार कुछ भरपाई कर सकते हैं।

### संदर्भ:

- Levanon, Gad and Lynn Franco (2011), "The Great Recession and Household Savings", The Conference Board, February 2011.
- Mody, A., Ohnsorge, F., & Sandri, D. (2012), "Precautionary savings in the great recession", IMF Economic Review, 60 (1), 114-138.
- RBI (2020), Report on Trend and Progress of Banking in India 2019-20, Reserve Bank of India.
- RBI (2021), Financial Stability Report , Issue No. 22, January, Reserve Bank of India.
- Zabai, Anna (2017), "Household debt: recent developments and challenges", BIS Quarterly Review, December 2017.



**अनुबंध I**  
**गृहस्थों की वित्तीय आस्तियां: समग्र प्रवाह (जारी)**

(₹ करोड़)

मद	2018-19				
	ति1	ति2	ति3	ति4	वार्षिक
<b>वित्तीय आस्तियां</b>	<b>3,48,568.2</b>	<b>4,77,165.0</b>	<b>3,46,489.3</b>	<b>9,61,845.5</b>	<b>21,34,068.0</b>
<i>जिसमें से:</i>					
<b>1. कुल जमाराशियां (ए) + (बी)</b>	<b>-55,939.4</b>	<b>3,01,417.0</b>	<b>21,884.7</b>	<b>5,42,776.4</b>	<b>8,10,138.7</b>
(ए) बैंक जमाराशियां	-65,261.8	2,92,618.3	13,121.4	5,39,472.8	7,79,950.6
i. वाणिज्यिक बैंक जमाराशियां	-62,126.9	2,89,468.1	10,634.6	4,90,680.6	7,28,656.4
ii. सहकारी बैंक	-3,134.9	3,150.2	2,486.8	48,792.1	51,294.2
(बी) बैंकेतर जमाराशियां	9,322.4	8,798.7	8,763.3	3,303.6	30,188.1
<b>2. जीवन बीमा निधियां</b>	<b>63,747.6</b>	<b>95,463.2</b>	<b>47,456.3</b>	<b>1,50,854.6</b>	<b>3,57,521.6</b>
<b>3. पेंशन और भविष्य निधियां (पीपीएफ सहित)</b>	<b>98,461.4</b>	<b>97,964.4</b>	<b>99,515.4</b>	<b>10,3367.4</b>	<b>3,99,308.5</b>
<b>4. मुद्रा</b>	<b>1,11,589.6</b>	<b>-32,134.4</b>	<b>1,02,656.5</b>	<b>95,760.4</b>	<b>2,77,872.1</b>
<b>5. निवेश</b>	<b>78,397.2</b>	<b>-37,856.9</b>	<b>22,664.7</b>	<b>16,774.9</b>	<b>79,979.8</b>
<i>जिसमें से</i>					
i. म्यूचुअल फंड	69,897.4	-46,008.0	21,369.6	12,342.5	57,601.4
ii. इक्विटी	2,001.2	3,054.4	471.0	855.8	6,382.4
<b>6. अल्प बचत (पीपीएफ को छोड़कर)</b>	<b>51,259.6</b>	<b>51,259.6</b>	<b>51,259.6</b>	<b>51,259.6</b>	<b>2,05,038.3</b>
<b>जीडीपी के प्रतिशत के रूप में</b>					
<b>वित्तीय आस्तियां</b>	<b>7.6</b>	<b>10.3</b>	<b>7.1</b>	<b>20.0</b>	<b>11.2</b>
<i>जिसमें से:</i>					
<b>1. कुल जमाराशियां (ए) + (बी)</b>	<b>-1.2</b>	<b>6.5</b>	<b>0.4</b>	<b>11.3</b>	<b>4.3</b>
(ए) बैंक जमाराशियां	-1.4	6.3	0.3	11.2	4.1
i. वाणिज्यिक बैंक जमाराशियां	-1.4	6.2	0.2	10.2	3.8
ii. सहकारी बैंक	-0.1	0.1	0.1	1.0	0.3
(बी) बैंकेतर जमाराशियां	0.2	0.2	0.2	0.1	0.2
<b>2. जीवन बीमा निधियां</b>	<b>1.4</b>	<b>2.1</b>	<b>1.0</b>	<b>3.1</b>	<b>1.9</b>
<b>3. पेंशन और भविष्य निधियां (पीपीएफ सहित)</b>	<b>2.2</b>	<b>2.1</b>	<b>2.0</b>	<b>2.2</b>	<b>2.1</b>
<b>4. मुद्रा</b>	<b>2.4</b>	<b>-0.7</b>	<b>2.1</b>	<b>2.0</b>	<b>1.5</b>
<b>5. निवेश</b>	<b>1.7</b>	<b>-0.8</b>	<b>0.5</b>	<b>0.3</b>	<b>0.4</b>
<i>जिसमें से</i>					
i. म्यूचुअल फंड	1.5	-1.0	0.4	0.3	0.3
ii. इक्विटी	...	0.1	...	...	...
<b>6. अल्प बचत (पीपीएफ को छोड़कर)</b>	<b>1.1</b>	<b>1.1</b>	<b>1.1</b>	<b>1.1</b>	<b>1.1</b>

... : नगण्य।

स्रोत: लेखकों द्वारा गणनाएं।

**अनुबंध I**  
**गृहस्थों की वित्तीय आस्तियां: समग्र प्रवाह (समाप्त)**

(₹ करोड़)

मद	2019-20					2020-21	
	ति1	ति2	ति3	ति4	वार्षिक	ति1	ति2
<b>वित्तीय आस्तियां</b>	<b>3,83,124.6</b>	<b>5,64,598.2</b>	<b>5,50,679.8</b>	<b>7,86,160.4</b>	<b>22,84,563.0</b>	<b>7,38,208.1</b>	<b>7,46,821.4</b>
<i>जिसमें से:</i>							
<b>1. कुल जमाराशियां (ए) + (बी)</b>	<b>7,811.9</b>	<b>2,88,775.0</b>	<b>1,13,439.5</b>	<b>4,55,464.1</b>	<b>8,65,490.5</b>	<b>1,25,848.6</b>	<b>3,67,264.2</b>
(ए) बैंक जमाराशियां	-7,074.1	2,78,084.6	1,13,314.3	4,52,959.0	8,37,283.8	1,13,327.7	3,62,343.5
i. वाणिज्यिक बैंक जमाराशियां	-13,293.8	2,69,475.5	63,997.5	4,48,586.5	7,68,765.7	1,17,962.1	3,51,860.2
ii. सहकारी बैंक	6,219.7	8,609.1	49,316.8	4,372.4	68,518.1	-4,634.4	10,483.3
(बी) बैंकेतर जमाराशियां	14,886.0	10,690.4	125.3	2,505.1	28,206.8	12,521.0	4,920.7
<b>2. जीवन बीमा निधियां</b>	<b>1,08,873.1</b>	<b>99,209.1</b>	<b>1,01,373.7</b>	<b>33,549.3</b>	<b>3,43,005.2</b>	<b>1,23,324.5</b>	<b>1,42,422.5</b>
<b>3. पेंशन और भविष्य निधियां (पीपीएफ सहित)</b>	<b>106,969.6</b>	<b>1,09,961.6</b>	<b>1,10,044.6</b>	<b>1,13,602.6</b>	<b>4,40,578.3</b>	<b>1,19,308.7</b>	<b>1,21,831.7</b>
<b>4. मुद्रा</b>	<b>61,637.1</b>	<b>-26,104.8</b>	<b>86,843.5</b>	<b>1,60,255.1</b>	<b>2,82,630.8</b>	<b>2,06,889.6</b>	<b>17,225.3</b>
<b>5. निवेश</b>	<b>29,703.1</b>	<b>24,627.5</b>	<b>70,848.6</b>	<b>-44,840.5</b>	<b>80,338.6</b>	<b>85,893.1</b>	<b>21,134.2</b>
<i>जिसमें से</i>							
i. म्यूचुअल फंड	8,578.0	20,198.4	67,521.1	-51,926.1	44,371.5	66,195.3	11,909.0
ii. इक्विटी	18,644.7	2,172.4	936.2	4,980.4	26,733.7	18,599.2	8,291.5
<b>6. अल्प बचत (पीपीएफ को छोड़कर)</b>	<b>67,065.7</b>	<b>67,065.7</b>	<b>67,065.7</b>	<b>67,065.7</b>	<b>2,68,262.9</b>	<b>75,879.4</b>	<b>75,879.4</b>
<b>जीडीपी के प्रतिशत के रूप में</b>							
<b>वित्तीय आस्तियां</b>	<b>7.7</b>	<b>11.4</b>	<b>10.6</b>	<b>15.1</b>	<b>11.2</b>	<b>19.0</b>	<b>15.8</b>
<i>जिसमें से:</i>							
<b>1. कुल जमाराशियां (ए) + (बी)</b>	<b>0.2</b>	<b>5.8</b>	<b>2.2</b>	<b>8.7</b>	<b>4.3</b>	<b>3.2</b>	<b>7.8</b>
(ए) बैंक जमाराशियां	-0.1	5.6	2.2	8.7	4.1	2.9	7.6
i. वाणिज्यिक बैंक जमाराशियां	-0.3	5.5	1.2	8.6	3.8	3.0	7.4
ii. सहकारी बैंक	0.1	0.2	1.0	0.1	0.3	-0.1	0.2
(बी) बैंकेतर जमाराशियां	0.3	0.2	...	...	0.1	0.3	0.1
<b>2. जीवन बीमा निधियां</b>	<b>2.2</b>	<b>2.0</b>	<b>2.0</b>	<b>0.6</b>	<b>1.7</b>	<b>3.2</b>	<b>3.0</b>
<b>3. पेंशन और भविष्य निधियां (पीपीएफ सहित)</b>	<b>2.1</b>	<b>2.2</b>	<b>2.1</b>	<b>2.2</b>	<b>2.2</b>	<b>3.1</b>	<b>2.6</b>
<b>4. मुद्रा</b>	<b>1.2</b>	<b>-0.5</b>	<b>1.7</b>	<b>3.1</b>	<b>1.4</b>	<b>5.3</b>	<b>0.4</b>
<b>5. निवेश</b>	<b>0.6</b>	<b>0.5</b>	<b>1.4</b>	<b>-0.9</b>	<b>0.4</b>	<b>2.2</b>	<b>0.4</b>
<i>जिसमें से</i>							
i. म्यूचुअल फंड	0.2	0.4	1.3	-1.0	0.2	1.7	0.3
ii. इक्विटी	0.4	...	...	0.1	0.1	0.5	0.2
<b>6. अल्प बचत (पीपीएफ को छोड़कर)</b>	<b>1.3</b>	<b>1.4</b>	<b>1.3</b>	<b>1.3</b>	<b>1.3</b>	<b>1.9</b>	<b>1.6</b>

... : नगण्य।

स्रोत: लेखकों द्वारा गणनाएं।

**अनुबंध II**  
**गृहस्थों की वित्तीय देयताएं: समग्र प्रवाह (जारी)**

(₹ करोड़)

मद	2018-19				
	ति1	ति2	ति3	ति4	वार्षिक
<b>वित्तीय देयताएं</b>	<b>91,404.7</b>	<b>25,4518.4</b>	<b>1,38,159.7</b>	<b>2,94,278.0</b>	<b>7,78,360.8</b>
<b>निम्नलिखित से कर्ज (उधार)</b>					
<b>ए. वित्तीय निगम (i+ii)</b>	<b>91,217.9</b>	<b>2,54,331.7</b>	<b>1,37,973.0</b>	<b>2,94,091.3</b>	<b>7,77,613.9</b>
<b>(i) बैंकिंग क्षेत्र</b>	<b>47,825.7</b>	<b>1,70,950.3</b>	<b>1,40,677.9</b>	<b>2,49,387.0</b>	<b>6,08,840.8</b>
जिसमें से:					
वाणिज्यिक बैंक	39,856.4	1,69,638.4	1,41,334.6	2,23,609.8	5,74,439.2
<b>(ii) अन्य वित्तीय संस्थाएं</b>	<b>43,392.3</b>	<b>83,381.4</b>	<b>-2,704.9</b>	<b>44,704.3</b>	<b>1,68,773.0</b>
(ए) गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां	15,260.0	52,605.2	-3,755.8	28,952.6	93,062.0
(बी) आवास वित्त कंपनियां	23,560.2	28,328.8	-786.8	14,118.7	65,220.9
(सी) बीमा कंपनियां	4,572.1	2,447.4	1,837.7	1,633.0	10,490.1
<b>बी. गैर-वित्तीय कॉरपोरेशन्स</b>	<b>49.0</b>	<b>49.0</b>	<b>49.0</b>	<b>49.0</b>	<b>196.1</b>
<b>(निजी कॉरपोरेट कारोबार)</b>					
<b>सी. सामान्य (जेनरल) सरकार</b>	<b>137.7</b>	<b>137.7</b>	<b>137.7</b>	<b>137.7</b>	<b>550.7</b>
<b>जीडीपी के प्रतिशत के रूप में</b>					
<b>वित्तीय देयताएं</b>	<b>2.0</b>	<b>5.5</b>	<b>2.8</b>	<b>6.1</b>	<b>4.1</b>
<b>निम्नलिखित से कर्ज (उधार)</b>					
<b>ए. वित्तीय निगम (i+ii)</b>	<b>2.0</b>	<b>5.5</b>	<b>2.8</b>	<b>6.1</b>	<b>4.1</b>
<b>(i) बैंकिंग क्षेत्र</b>	<b>1.0</b>	<b>3.7</b>	<b>2.9</b>	<b>5.2</b>	<b>3.2</b>
जिसमें से:					
वाणिज्यिक बैंक	0.9	3.6	2.9	4.7	3.0
<b>(ii) अन्य वित्तीय संस्थाएं</b>	<b>1.0</b>	<b>1.8</b>	<b>-0.1</b>	<b>0.9</b>	<b>0.9</b>
(ए) गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां	0.3	1.1	-0.1	0.6	0.5
(बी) आवास वित्त कंपनियां	0.5	0.6	...	0.3	0.3
(सी) बीमा कंपनियां	0.1	0.1	...	...	0.1
<b>बी. गैर-वित्तीय कॉरपोरेशन्स</b>	<b>...</b>	<b>...</b>	<b>...</b>	<b>...</b>	<b>...</b>
<b>(निजी कॉरपोरेट कारोबार)</b>					
<b>सी. सामान्य (जेनरल) सरकार</b>	<b>...</b>	<b>...</b>	<b>...</b>	<b>...</b>	<b>...</b>

... : नगण्य।

स्रोत: लेखकों द्वारा गणनाएं।

**अनुबंध II**  
**गृहस्थों की वित्तीय देयताएं: समग्र प्रवाह (समाप्त)**

(₹ करोड़)

मद	2019-20					2020-21	
	ति1	ति2	ति3	ति4	वार्षिक	ति1	ति2
वित्तीय देयताएं निम्नलिखित से कर्ज (उधार)	1,81,090.7	79,839.0	1,30,840.9	2,72,337.1	66,4107.7	-77,678.5	2,54,915.2
ए. वित्तीय निगम (i+ii)	1,81,011.8	79,760.1	1,30,762.0	2,72,258.2	6,63,792.1	-77,757.5	2,54,836.2
(i) बैंकिंग क्षेत्र	1,61,317.2	57,886.0	1,15,246.1	2,16,572.4	5,51,021.7	-1,38,472.5	1,49,880.3
जिसमें से:							
वाणिज्यिक बैंक	1,35,575.1	56,900.7	85,897.8	2,05,938.4	4,84,311.9	-1,30,636.5	1,35,587.1
(ii) अन्य वित्तीय संस्थाएं	19,694.6	21,874.1	15,515.9	55,685.8	1,12,770.4	60,715.0	1,04,955.9
(ए) गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां	-519.7	11,651.3	29,216.9	57,511.4	97,860.0	51,035.5	1,01,056.9
(बी) आवास वित्त कंपनियां	17,033.0	8,093.1	-15,710.4	-3,093.1	6,322.6	10,516.6	2,875.1
(सी) बीमा कंपनियां	3,181.3	2,129.7	2,009.4	1,267.4	8,587.8	-837.1	1,023.9
बी. गैर-वित्तीय कॉरपोरेशन्स (निजी कॉरपोरेट कारोबार)	49.0	49.0	49.0	49.0	196.1	49.2	49.2
सी. सामान्य (जेनरल) सरकार	29.9	29.9	29.9	29.9	119.4	29.9	29.9
<b>जीडीपी के प्रतिशत के रूप में</b>							
वित्तीय देयताएं	3.6	1.6	2.5	5.2	3.3	-2.0	5.4
निम्नलिखित से कर्ज (उधार)							
ए. वित्तीय निगम (i+ii)	3.6	1.6	2.5	5.2	3.3	-2.0	5.4
(i) बैंकिंग क्षेत्र	3.2	1.2	2.2	4.1	2.7	-3.6	3.2
जिसमें से:							
वाणिज्यिक बैंक	2.7	1.2	1.7	3.9	2.4	-3.4	2.9
(ii) अन्य वित्तीय संस्थाएं	0.4	0.4	0.3	1.1	0.6	1.6	2.2
(ए) गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां	0.0	0.2	0.6	1.1	0.5	1.3	2.1
(बी) आवास वित्त कंपनियां	0.3	0.2	-0.3	-0.1	...	0.3	0.1
(सी) बीमा कंपनियां	0.1	...	...	...	...	...	...
बी. गैर-वित्तीय कॉरपोरेशन्स (निजी कॉरपोरेट कारोबार)	...	...	...	...	...	...	...
सी. सामान्य (जेनरल) सरकार	...	...	...	...	...	...	...

... : नगण्य।

स्रोत: लेखकों द्वारा गणनाएं।

अनुबंध III  
गृहस्थों की आस्तियां और देयताएं: चुनिंदा लिखत (जारी)

(₹ करोड़)

मद	2018-19			
	ति1	ति2	ति3	ति4
<b>सकल वित्तीय आस्तियां</b>				
<i>जिसमें से:</i>				
<b>ए. बैंक जमाराशियां (i+ii)</b>	<b>80,16,804.2</b>	<b>83,09,422.5</b>	<b>83,22,543.8</b>	<b>88,62,016.6</b>
i. वाणिज्यिक बैंक जमाराशियां	73,54,053.7	76,43,521.8	76,54,156.4	81,44,837.0
ii. सहकारी बैंक	6,62,750.5	6,65,900.7	6,68,387.4	7,17,179.6
<b>बी. जीवन बीमा निधियां</b>	<b>34,83,772.7</b>	<b>35,77,442.2</b>	<b>36,61,493.5</b>	<b>37,85,298.5</b>
<b>सी. मुद्रा</b>	<b>17,82,923.3</b>	<b>17,50,788.9</b>	<b>18,53,445.4</b>	<b>19,49,205.8</b>
<b>डी. म्यूचुअल फंड</b>	<b>11,93,500.8</b>	<b>11,50,708.8</b>	<b>11,93,246.1</b>	<b>12,42,184.1</b>
<b>कुल (ए+बी+सी+डी)</b>	<b>1,44,77,001.0</b>	<b>1,47,88,362.4</b>	<b>1,50,30,728.8</b>	<b>1,58,38,705.0</b>
<b>जीडीपी के प्रतिशत के रूप में</b>				
<b>ए. बैंक जमाराशियां (i+ii)</b>	<b>45.4</b>	<b>45.8</b>	<b>44.6</b>	<b>46.9</b>
i. वाणिज्यिक बैंक जमाराशियां	41.7	42.1	41.0	43.1
ii. सहकारी बैंक	3.8	3.7	3.6	3.8
<b>बी. जीवन बीमा निधियां</b>	<b>19.7</b>	<b>19.7</b>	<b>19.6</b>	<b>20.0</b>
<b>सी. मुद्रा</b>	<b>10.1</b>	<b>9.7</b>	<b>9.9</b>	<b>10.3</b>
<b>डी. म्यूचुअल फंड</b>	<b>6.8</b>	<b>6.3</b>	<b>6.4</b>	<b>6.6</b>
<b>कुल (ए+बी+सी+डी)</b>	<b>82.0</b>	<b>81.5</b>	<b>80.5</b>	<b>83.9</b>
<b>वित्तीय देयताएं</b>				
<b>ए. वित्तीय निगम (i+ii)</b>	<b>55,38,093.5</b>	<b>57,92,425.2</b>	<b>59,30,398.2</b>	<b>62,24,489.4</b>
(i) बैंकिंग क्षेत्र	<b>44,38,575.4</b>	<b>46,09,525.8</b>	<b>47,50,203.7</b>	<b>49,99,590.6</b>
<i>जिसमें से:</i>				
वाणिज्यिक बैंक	39,79,179.8	41,48,818.2	42,90,152.8	45,13,762.6
सहकारी बैंक और क्रेडिट समितियां	4,58,988.3	4,60,294.8	4,59,632.6	4,85,404.3
(ii) अन्य वित्तीय संस्थाएं	<b>10,99,518.0</b>	<b>11,82,899.4</b>	<b>11,80,194.5</b>	<b>12,24,898.8</b>
<i>जिसमें से:</i>				
(ए) गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां	3,74,640.0	4,27,245.2	4,23,489.4	4,52,442.0
(बी) आवास वित्त कंपनियां	6,14,618.4	6,42,947.2	6,42,160.4	6,56,279.2
<b>जीडीपी के प्रतिशत के रूप में</b>				
<b>ए. वित्तीय निगम (i+ii)</b>	<b>31.4</b>	<b>31.9</b>	<b>31.8</b>	<b>33.0</b>
(i) बैंकिंग क्षेत्र	<b>25.2</b>	<b>25.4</b>	<b>25.4</b>	<b>26.5</b>
<i>जिसमें से:</i>				
वाणिज्यिक बैंक	22.5	22.9	23.0	23.9
सहकारी बैंक और क्रेडिट समितियां	2.6	2.5	2.5	2.6
(ii) अन्य वित्तीय संस्थाएं	<b>6.2</b>	<b>6.5</b>	<b>6.3</b>	<b>6.5</b>
<i>जिसमें से:</i>				
(ए) गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां	2.1	2.4	2.3	2.4
(बी) आवास वित्त कंपनियां	3.5	3.5	3.4	3.5

स्रोत: लेखकों द्वारा गणनाएं

**अनुबंध III**  
**गृहस्थों की आस्तियां और देयताएं: चुनिंदा लिखत (समाप्त)**

(₹ करोड़)

मद	2019-20				2020-21	
	ति1	ति2	ति3	ति4	ति1	ति2
<b>सकल वित्तीय आस्तियां</b>						
<i>जिसमें से:</i>						
<b>ए. बैंक जमाराशियां (i+ii)</b>	<b>88,54,942.5</b>	<b>91,33,027.1</b>	<b>92,46,341.4</b>	<b>96,99,300.4</b>	<b>98,12,628.0</b>	<b>1,01,74,971.5</b>
i. वाणिज्यिक बैंक जमाराशियां	81,31,543.2	84,01,018.7	84,65,016.2	89,13,602.7	90,31,564.8	93,83,425.0
ii. सहकारी बैंक	7,23,399.3	7,32,008.4	7,81,325.2	7,85,697.6	7,81,063.2	7,91,546.5
<b>बी. जीवन बीमा निधियां</b>	<b>38,99,633.0</b>	<b>40,03,691.7</b>	<b>41,10,052.2</b>	<b>41,44,294.2</b>	<b>42,74,225.4</b>	<b>44,24,463.7</b>
<b>सी. मुद्रा</b>	<b>20,10,842.9</b>	<b>19,84,738.1</b>	<b>20,71,581.5</b>	<b>22,31,836.6</b>	<b>24,38,726.3</b>	<b>24,55,951.6</b>
<b>डी. म्यूचुअल फंड</b>	<b>12,65,870.9</b>	<b>12,79,310.8</b>	<b>13,85,427.2</b>	<b>11,62,077.9</b>	<b>13,30,498.9</b>	<b>14,02,082.6</b>
<b>कुल (ए+बी+सी+डी)</b>	<b>1,60,31,289.3</b>	<b>1,64,00,767.8</b>	<b>1,68,13,402.3</b>	<b>1,72,37,509.1</b>	<b>1,78,56,078.6</b>	<b>1,84,57,469.3</b>
<b>जीडीपी के प्रतिशत के रूप में</b>						
<b>ए. बैंक जमाराशियां (i+ii)</b>	<b>45.8</b>	<b>46.6</b>	<b>46.4</b>	<b>47.7</b>	<b>51.0</b>	<b>53.5</b>
i. वाणिज्यिक बैंक जमाराशियां	42.1	42.8	42.5	43.8	46.9	49.3
ii. सहकारी बैंक	3.7	3.7	3.9	3.9	4.1	4.2
<b>बी. जीवन बीमा निधियां</b>	<b>20.2</b>	<b>20.4</b>	<b>20.6</b>	<b>20.4</b>	<b>22.2</b>	<b>23.2</b>
<b>सी. मुद्रा</b>	<b>10.4</b>	<b>10.1</b>	<b>10.4</b>	<b>11.0</b>	<b>12.7</b>	<b>12.9</b>
<b>डी. म्यूचुअल फंड</b>	<b>6.6</b>	<b>6.5</b>	<b>7.0</b>	<b>5.7</b>	<b>6.9</b>	<b>7.4</b>
<b>कुल (ए+बी+सी+डी)</b>	<b>83.0</b>	<b>83.6</b>	<b>84.4</b>	<b>84.7</b>	<b>92.8</b>	<b>97.0</b>
<b>वित्तीय देयताएं</b>						
<b>ए. वित्तीय निगम (i+ii)</b>	<b>64,05,501.2</b>	<b>64,85,261.3</b>	<b>66,16,023.3</b>	<b>68,88,281.5</b>	<b>68,10,523.9</b>	<b>70,65,360.1</b>
(i) बैंकिंग क्षेत्र	<b>51,60,907.8</b>	<b>52,18,793.8</b>	<b>53,34,039.9</b>	<b>55,50,612.3</b>	<b>54,12,139.7</b>	<b>55,62,020.1</b>
<i>जिसमें से:</i>						
वाणिज्यिक बैंक	46,49,337.7	47,06,238.4	47,92,136.2	49,98,074.6	48,67,438.1	50,03,025.3
सहकारी बैंक और क्रेडिट समितियां	5,10,908.4	5,11,655.8	5,40,766.1	5,51,158.9	5,42,978.8	5,56,804.4
(ii) अन्य वित्तीय संस्थाएं	<b>12,44,593.4</b>	<b>12,66,467.5</b>	<b>12,81,983.4</b>	<b>13,37,669.2</b>	<b>13,98,384.2</b>	<b>15,03,340.1</b>
<i>जिसमें से:</i>						
(ए) गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां	4,51,922.3	4,63,573.6	4,92,790.6	5,50,302.0	6,01,337.5	7,02,394.4
(बी) आवास वित्त कंपनियां	6,73,312.1	6,81,405.2	6,65,694.8	6,62,601.7	6,73,118.3	6,75,993.4
<b>जीडीपी के प्रतिशत के रूप में</b>						
<b>ए. वित्तीय निगम (i+ii)</b>	<b>33.1</b>	<b>33.1</b>	<b>33.2</b>	<b>33.8</b>	<b>35.4</b>	<b>37.1</b>
(i) बैंकिंग क्षेत्र	<b>26.7</b>	<b>26.6</b>	<b>26.8</b>	<b>27.3</b>	<b>28.1</b>	<b>29.2</b>
<i>जिसमें से:</i>						
वाणिज्यिक बैंक	24.1	24.0	24.0	24.6	25.3	26.3
सहकारी बैंक और क्रेडिट समितियां	2.6	2.6	2.7	2.7	2.8	2.9
(ii) अन्य वित्तीय संस्थाएं	<b>6.4</b>	<b>6.5</b>	<b>6.4</b>	<b>6.6</b>	<b>7.3</b>	<b>7.9</b>
<i>जिसमें से:</i>						
(ए) गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां	2.3	2.4	2.5	2.7	3.1	3.7
(बी) आवास वित्त कंपनियां	3.5	3.5	3.3	3.3	3.5	3.6

स्रोत: लेखकों द्वारा गणनाएं